ACHARYA SCHOOL OF DESIGN
LIBRARY
Date.....
BENGALURU - 560 107

33403

Reg. No. | | | | | | | | | |

IV Semester B.Sc./B.Sc(FAD)/B.V.Sc./M.Sc.(Biological Science, B.Sc 4) Degree Examination, September/October - 2022

HINDI

Upanyas Prativedan Lekhan aur Anuvad

(CBCS Semester Scheme Freshers and Repeaters for the year 2019-20 Onwards)

Paper : IV

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 70**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए। (10×1=10)

1) बॉरिस्टर प्रतापराय की इकलौती बेटी कौन थी?

2) राजनीति में आने के बाद मालती ने किसे अपने सहायक के रूप में नियुक्त किया?

3) मालती की शादी किसके साथ हुई?

4) 'काली आंधी' उपन्यास के रचनाकार कौन है?

5) जग्गीबाबू का पुश्तैनी मकान कहाँ था?

6) लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए मालती को कौन-सा क्षेत्र मिला?

7) चुनाव कार्यालय में खाने-पीने का इन्तज़ाम किसके हाथों में था?

8) लिली को जग्गीबाबू ने किस स्कूल में दाखिल कराया था?

9) जग्गीबाबू मालती को किस रंग का गुलाब देता है?

10) बिन्दा किसका विश्वस्त नौकर हैं?

II. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2×12=24)

1) काली आंधी उपन्यास का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2) ''काली आंधी'' उपन्यास के आधार पर 'मालती' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3) ''राजनीति मे भावनात्मक रिश्तों की कोई अहमियत नहीं होती है।'' - इस कथन को 'काली आंधी' उपन्यास के आधार पर सिद्ध कीजिए।

[P.T.O.

III. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए। (2×8=16)

1) जग्गीबाबू।

2) गुरू सरण।

3) लल्लू बाबू।

4) नौकर बिन्दा।

IV. आपके महाविद्यालय में आयोजित 'वार्षिकोत्सव' पर एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए। (1×10=10)

(अथवा)

14 सिंतबर 2022 को आपके महाविद्यालय मे मनाये गये 'हिन्दी दिवस' पर एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए।

V. **हिन्दी में अनुवाद कीजिए :** (1×10=10)

The Ancient Aryans had divided the span of a man's life into four Ashramas namely Brahmacharya, qrihasta, vanaprasta and sanyasa. of These, Brahmacharya shram was understood to be the time of preparation for the future. One's progress or downfall depends only upon how this period is used. This is the period when we get our education as students. we get this education at home, in society and in schools. some things are taught to us and some we learn from our Environment.

ಪ್ರಾಚೀನ ಆರ್ಯರು ಸಂಪೂರ್ಣ ಜೀವನವನ್ನು ಬ್ರಹ್ಮಚರ್ಯ, ಗೃಹಸ್ಥ, ವಾನಪ್ರಸ್ಥ ಮತ್ತು ಸನ್ಯಾಸಗಳೆಂಬ ನಾಲ್ಕು ಆಶ್ರಮಗಳಾಗಿ ವಿಭಾಗಿಸಿದ್ದರು. ಇವುಗಳಲ್ಲಿ ಬ್ರಹ್ಮಚರ್ಯಾಶ್ರಮವು ಭಾವೀ ಜೀವನದ ತಳಹದಿಯೆಂದು ತಿಳಿಯಲ್ಪಟ್ಟತ್ತು. ಮನುಷ್ಯನ ಉನ್ನತಿ ಅಥವಾ ಅವನತಿಯು ಈ ಸಮಯದ ಉಪಯೋಗದ ಮೇಲೆಯೇ ಅವಲಂಬಿತವಾಗಿತ್ತು. ಈ ಸಮಯದಲ್ಲೇ ನಾವು ಶಿಕ್ಷಣವನ್ನು ಗ್ರಹಿಸಬಹುದಾಗಿತ್ತು. ಈ ಶಿಕ್ಷಣವು ನಮಗೆ ಮನೆ, ಸಮಾಜ ಮತ್ತು ವಿದ್ಯಾಲಯಗಳಲ್ಲಿ ದೊರಕುತ್ತದೆ. ಕೆಲವು ವಿಷಯಗಳು ನಮಗೆ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಕಲಿಸಲ್ಪಡುತ್ತಿತ್ತು. ಕೆಲವು ವಿಷಯಗಳನ್ನು ನಾಲ್ಕು ಕಡೆಯ ವಾತಾವರಣದಿಂದಲೂ ಕಲಿತುಕೊಳ್ಳಬೇಕಾಗಿತ್ತು.